MAHD-02

December - Examination 2019

M.A. (Previous) Hindi Examination

Adhunik Kavya

आधुनिक काव्य

Paper - MAHD-02

Time : 3 Hours] **[Max. Marks :- 80**

निर्देश : इस प्रश्न–पत्र के तीन खण्ड हैं – 'अ', 'ब' और 'स'। प्रत्येक खण्ड के निर्देशानुसार प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

(खण्ड – अ) **8 × 2 =16**

(अति लघु उत्तरीय प्रश्न)

निर्देश : सेक्शन A में 08 (आठ) अति लघु उत्तरीय प्रश्न होंगे (एक शब्द, एक वाक्य और परिभाषात्मक प्रकार के) सभी अनिवार्य हैं। हर प्रश्न 2 (दो) अंकों का होगा और प्रत्येक उत्तर की अधिकतम सीमा 30 शब्द होगी। इस सेक्शन का अधिकतम अंक 16 होगा।

1) निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

(i) 'कामायनी के श्रद्धासर्ग' का भावबोध संक्षेप में लिखिए।

(ii) महादेवी वर्मा की किन्हीं दो काव्य कृतियों के नाम लिखिए।

(iii) सुमित्रानन्दन पंत को प्रकृति का सुकुमार कवि क्यों कहा जाता है?

(iv) मैथिलीशरण गुप्त के काव्य की दो विशेषताओं का उल्लेख कीजिए।

(v) 'असाध्य वीणा' के सचयिता का नाम लिखिए।

(vi) नागार्जुन द्वारा रचित एक प्रसिद्ध 'लम्बी कविता' का नाम बताइए।

(vii) नरेन्द्र शर्मा द्वारा रचित कविता संग्रह 'रक्तचन्दन' की विषय वस्तु क्या है?

(viii) दुष्यन्त कुमार के किन्हीं दो काव्य संग्रह का नाम लिखिए।

(खण्ड – ब) **$4 \times 8 = 32$**

(लघु उत्तरीय प्रश्न)

निर्देश : सेक्शन B में 8 (आठ) लघु उत्तरीय प्रश्न होंगे। परीक्षार्थी को कोई 4 (चार) प्रश्न करने होंगे। हर प्रश्न 8 (आठ) अंकों का होगा और प्रत्येक उत्तर की अधिकतम सीमा 200 शब्द होगी। इस सेक्शन का अधिकतम अंक 32 होगा।

2) 'सूर्यकान्त त्रिपाठी निराला के काव्य में संवेदना के विविध स्तरों का उद्घाटन हुआ है। इस कथन की समीक्षा कीजिए।

3) सिद्ध कीजिए कि ''जयशंकर प्रसाद छायावाद के प्रतिनिधि कवि हैं।''

4) मैथिलीशरण गुप्त के काव्य में राष्ट्रीय चेतना का उल्लेख कीजिए।

5) रघुवीर सहाय के काव्य में राजनीतिक संदर्भों का चित्रण किस प्रकार हुआ है? स्पष्ट कीजिए।

6) निम्न पद्यांश की सप्रसंग व्याख्या कीजिए।

दुर्गम बर्फानी घाटी में

शत–सहस्त्र ऊँचाई पर

अलख नाभि से उठने वाले

निज के ही उन्मादक परिमल

के पीछे,

धावित हो – होकर
तरल तरुण कस्तूरी मृग को
अपने पर चिढ़ते देखा है
बादल को घिरते देखा है।

7) निम्नलिखित पद्यांश की सप्रसंग व्याख्या कीजिए।

मैं सब दिन पाषाण नहीं था।
किसी शापवश हो निर्वासित लीन हुई चेतनता मेरी।
मन–मन्दिर का दीप बुझ गया,
मेरी दुनियाँ हुई अंधेरी।
पर यह उजड़ा उपवन सब दिन बियाबान सुनसान नहीं था।
मैं सब दिन पाषाण नहीं था।

8) निम्नलिखित पद्यांश की सप्रसंग व्याख्या कीजिए।

सखि, अखिल प्रकृति की प्यास हम–तुम भींगे।
अकस्मात यह बात हुई क्यों जब हम–तुम मिले पाये,
तभी उठी आँधी अम्बर में सजल जलद घिर आए,
यह रिमझिम संकेत गगन का समझो या मत समझो,
सखि भीग रहा आकाश कि हम तुम भींगे,
सखि, अखिल प्रकृति की प्यास कि हम–तुम भींगे।

9) निम्नलिखित पद्यांश की सप्रसंग व्याख्या कीजिए –

चुप हो गया प्रियंवद
सभा भी मौन रही।
वाद्य उठा साधक ने गोद रख लिया।

धीरे–धीरे झुक उस पर, तारों पर मस्तक टेक दिया।

सभा चकित थी – अरे, प्रियंवद क्या सोता है –

केशकम्बली अथवा होकर पराभूत

झुक गया वाद्य पर –

वीणा सचमुच क्या है असाध्य।

(खण्ड – स) $2 \times 16 = 32$

(दीर्घ उत्तरीय प्रश्न)

निर्देश : सेक्शन C में 4 (चार) दीर्घ उत्तरीय प्रश्न होंगे। इनमें आन्तरिक चयन की सुविधा होगी। परीक्षार्थी को कोई 2 (दो) प्रश्न के उत्तर देने होंगे। प्रत्येक प्रश्न 16 (सोलह) अंकों का होगा और प्रत्येक उत्तर की अधिकतम सीमा 500 शब्द होगी। इस सेक्शन का अधिकतम अंक 32 होगा।

10) महादेवी वर्मा के काव्य में भाव पक्ष और कला पक्ष का उदाहरण सहित विवेचन कीजिए।

11) ''नागार्जुन का काव्य प्रगतिशील चेतना का काव्य है और उनका शिल्प सहज, सरल एवं जनसामान्य के निकट है।'' इस कथन का उदाहरण सहित विश्लेषण कीजिए।

12) अज्ञेय के काव्य में अनुभूति एवं अभिव्यक्ति पक्ष का वर्णन कीजिए।

13) निम्न में से किन्हीं दो पर टिप्पणी लिखिए।

(क) सुमित्रानदन पंत का व्यक्तित्व एवं कृतित्व–परिचय

(ख) दिनकर के काव्य में प्रतिशोध का स्वर

(ग) दुष्यन्त के काव्य में जीवनास्था

(घ) रघुवीर सहाय के काव्य में शिल्प विधान